उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2018-2019**

एकल विशय में स्नातक कला प्रमाण–पत्र

Undergraduate Arts Certificate in Single Subject

विषय – संस्कृत **विषय कोड : सी.एस.एस.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : CSSST**

कोर्स शीर्षक : अभिज्ञान शाकुन्तलम् **कोर्स कोडः सी.एस.एस.एस.टी 01**

Course Code : CSSST-01

Course Title : भर्तृहरिकृत् नीतिशतकम् (30 श्लोक पर्यन्त)

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्र"न । प्र"नों के अपने उत्तर 800 से 1000 भाब्दों में लिखें। सभी प्र"न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्न श्लोकों में से किसी दो श्लोक का हिन्दी मे अनुवाद कीजिए – 6

i. सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनंनाकृतीनाम्।।

ii. शमप्रधानेषु तपोधनेषु
गूढं हि दाहात्मकमस्ति तेजः।
स्प"ार्नुकूला इव सूर्यकान्ता
स्तदन्यतेजोऽभिभवाद् वमन्ति।।

iii. अयं स ते तिष्ठति संगमोत्सुको
विशङ्कसे भीरू यतोऽवधीरणाम्।
लभेत वा प्रार्थयिता न वा श्रियं
श्रिया दुशपः कथमीप्सितो भवेत्।

अथवा

iv. यात्येकतोऽस्तशिखरं पतिरोषधीना –
माविष्कृतोऽरूणपुरः सर एकतोऽर्कः।
तेजोद्वयस्य युगपद्व्यसनोदयाभ्यां
लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु।।

v. इदं किलाव्याजमनोहरं वपु
स्तपः क्षमं साधयितुं य इच्छति।
ध्रुवं स नीलोत्पलपत्रधारया
शमीलतां छेत्तुमृषिर्यवस्यति।

vi. ग्रीवाभङ्गाभिरामं मुहुरनुपतति स्यन्दने दत्तदृष्टिः
प"ार्धेन प्रविष्टः शरपतनभयाद् भूयसा पूर्वकायम्।
दर्भैरर्धावलीढैः श्रमविवृतमुखभ्रं"ाभिः कीर्णवर्त्मा
प"योदग्रप्लुतत्वाद् वियति बहुतरं स्तोकमुर्यां प्रयाति।।

अथवा

vii. अनाघ्रातं पुष्पं किसलयमलूनं कररूहै
रनाविद्धं रत्नं मधु नवमनास्वादितरसम्।
अखण्डं पुण्यानां फलमिव च तद्रूपमनघं
न जाने भोक्तारं कमिह समुपस्थास्यति विधिः।

viii. पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु य
नादत्ते प्रियमण्डनाऽपि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।
आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः
सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्।

vx. अस्मान् साधु विचिन्त्य सयमधनानुच्चैः कुलं चात्मन
स्त्वऽयस्याः कथमप्यबान्धवकृतां स्नेहप्रवृत्तिं च ताम्।
सामान्यप्रतिपत्तिपूर्वकमियं दारेषु दृ"या त्वया
भाग्यायत्तमतः परं न खलु तद् वाच्यं वधूबन्धूभिः।।

प्रश्न–2 अधोलिखित में से दो श्लोकों की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

i. क) कामं प्रिया न सुलभा मनस्तु तद्भावद"ना"वासि।
अकृतार्थेऽपि मनसिजे रतिमुभयप्रार्थना कुरुते।।

ख) परिग्रहबहुत्वेऽपि द्वे प्रतिष्ठे कुलस्य मे।
समुद्ररसना चोर्वी सखी च युवयोरियम्।।

अथवा

ii. क) गच्छति पुरः शरीरं धावति प"चादसंस्तुतं चेतः।
चीनांशुकमिव केतोः प्रतिवातं नीयमानस्य।।

अथवा

ख) मुक्तेषु रि"मषु निरायतपूर्वकाया
निष्कम्पचामरि"खा निभृतोर्ध्वकर्णा :।
आत्मोद्धतैरपि रजोभिरलङ्.धनीया
धावन्त्यमी मृगजवाक्षमयेव रथ्याः।।

अथवा

iii. क) अधरः किसलयरागः कोमलविटपानुकारिर्णा बाहू।
कुसुममिव लोभनीयं यौवनमङ.गेषु सन्नद्धम्।।

ख) असं"ायं क्षत्रपरिग्रहक्षमा
यदार्यमस्यामभिलाषि में मनः।
सतां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु
प्रमाणमन्तःकरणप्रवृत्तयः।।

प्रश्न–3 निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी दो सूक्ति की व्याख्या कीजिए – 6

i. सतां हि संदहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तःकरणप्रवृत्तयः।

ii. भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र

अथवा

i. अकृतार्थेऽपि मनसिजे रतिमुभयप्रार्थना कुरुते।

ii. न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति वसुधातलात्।

अथवा

i. अर्थो हि कन्या परकीय एव

ii. ग्लपयति यथा श"ाङ्.क तथा हि कुमुद्वतीं दिवसः।

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 भर्तृहरि के जीवनवृत्त एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

नीति"ातक का प्रतिपाद्य विषय क्या है?

अथवा

भर्तृहरि की काव्यकला पर प्रका"ा डालें।

प्रश्न–5 अधोलिखित मे से किसी दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें –

i) सूत्रधार ii) विदूषक iii) अपवारित iv) विषकम्भक

अथवा

ii) क) अपवारित ख) नायिका ग) स्वगत घ) प्रवे"ाक

अथवा

iii) क) नान्दी ख) नेपथ्य ग) जनान्तिक घ) अंक

प्रश्न–6 नीतिशतक के किसी एक श्लोक को लिखिए।

अथवा

किस प्रकार के विद्वानों का अनादर नहीं करना चाहिए।

अथवा

विद्या विहीन व्यक्ति किसके समान है?

प्रश्न–7 निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 2

i) प्रारभ्यते न खलु विध्नभयेन नीचैः।
प्रारभ्य विध्नविहता विरमन्ति मध्याः
विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः
प्रारब्धमुत्तमजनाः न परित्यजन्ति।।

अथवा

ii) विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनं
विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरूणां गुरूः।।
विद्या बन्धुजनो विदे"ागमने विद्या परांदेवतं
विद्या राजसु पूजिता नहि धनं विद्याविहीनः पशुः।।

अथवा

iii) जाड्यं धियो हरति सिञ्चति वाचि सत्यं
मानोन्नतिं दि"ाति पापमपाकरोति।
चेतः प्रसादयति दिक्षु तनोति कीर्तिम्
सत्संगतिः कथय किं न करोति पुंसाम्।।

प्रश्न–8 i) भर्तृहरि ने विद्या के विषय में क्या कहा है ? 2

अथवा

ii) भर्तृहरि ने सत्संगति के विषय में क्या कहा है?

अथवा

iii) भर्तृहरि के अनुसार वाणी का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–9 अभिज्ञानशाकुन्तल का कोई एक श्लोक जो इस प्र"न पत्र में न आया हो लिख कर उसमें प्रयुक्त अलंकार तथा छन्द बताइए।

अथवा 2

अभिज्ञान"ाकुन्तल के आधार पर दुष्यन्त का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

अभिज्ञान"ाकुन्तल के आधार पर शकुन्तला का चरित्र –चित्रण कीजिए।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2018-2019**

एकल विशय में स्नातक कला प्रमाण–पत्र

Undergraduate Arts Certificate in Single Subject

विषय – संस्कृत **विषय कोड : सी.एस.एस.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : CSSST**

कोर्स शीर्षक : उत्तररामचरितम् (तृतीय अंकपर्यन्त) **कोर्स कोड : सी.एस.एस.एस.टी– 02**

छन्दोऽलंकार मंजूषा

Course Title : **Course Code : CSSST-02**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्र"न । प्र"नों के अपने उत्तर 800 से 1000 भाब्दों में लिखें। सभी प्र"न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18

MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 6

i. क) एतानि तानि गिरिनिर्झरिणीतटेषु
वैखानसाश्रितरुणि तपोवनानि।
येष्वातिथेयपरमाः शमिनो भजन्ते,
नीवारमुष्टिपच्ना गृहिणो गृहाणि ।।

ख) यथेच्छंभोग्यं वो वनमिदमयं में सुदिवसः
सतां सद्भिः सङ.गः कथमपि हि पुण्येन भवति।
तरुच्छाया तोयं यदपि तपनो योग्यम"ानं
फलं वा मूल वा तदपि न पराधीनमिह वः।।

अथवा

ii. क) स्निग्धश्यामाः क्वचिदपरतो भीषणभोगरूक्षाः
स्थाने स्थाने मुखरकुकुभो झाङ्.कृतैर्निर्झराणाम्।
एते तीर्थाश्रमगिरिसरिद्गर्तकान्तारमिश्राः
सन्दृश्यन्ते परिचितभुवो दण्डकारण्यभागाः।।

ख) किसलयमिव मुग्धं बन्धनाद्विप्रलूनं
हृदयकुसुम"ोषी दारूणो दीर्घशोकः।
ग्लपयति परिपाण्डु क्षाममस्याः शरीरं
शरदिज इव धर्मः केतकीगर्भपत्रम्।।

अथवा

iii. क) अलसलुलितमुग्धायध्वसंजातखेदा
दर्"ाथिलपरिरम्भैर्दत्तसंवाहनानि।
परिमृदितमृणालीदुर्बलान्यङ्.गकानि।
त्वमुरसि मम कृत्वा यत्र निद्रामवाप्राप्त।।

ख) प्रियप्राया वृत्तिर्विनयमधुरो वाचि नियमः
प्रकृत्या कल्याणी मतिरनवगीतः प"ाचयः।
पुरो वा प"ाद्वा तदिदमविपर्यासितरसं
रहस्यं साधूनामनुपधि वि"ाुद्धं विजयते ।।

प्रश्न–2 निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

i. वि"ावंभरा भगवती भवतीमसूत
राजा प्रजापति समो जनकः पिता ते।
तेषां वधूस्त्वमसि नन्दिनि पार्थिवानां,
येषां कुलेषु सविता च गुरुर्वयं च।।

अथवा

ii. लौकिकानां हि साधूनामर्थ वागनुवर्तते।
ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति।।

अथवा

iii. ब्रह्मादयो ब्रह्महिताय तप्त्वा
परःसहस्त्राः शरदस्तपांसि।
एतान्यप"यन्गुरवः पुराणाः
स्वान्येव तजांसि तपोमयानि।

प्र"न–3 i) महाकवि भवभूति के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर प्रका"ा डालिए। 2

अथवा

ii) 'एको रसः करुण एव' इसकी समीक्षा कीजिए।

अथवा

iii) कथावस्तु की दृष्टि से उत्तररामचरित एक सफल नाट्य कृति है, समीक्षा कीजिए।

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 निम्नलिखित सूक्तियों की हिन्दी में व्याख्या कीजिए – 6

i) क) यथा स्त्रीणां तथा वाचां साधुत्वे दुर्जनो जनः।
ख) पुटपाकप्रतीकाशो रामस्य करूणो रसः।

अथवा

ii) क) लौकिकानां हि साधूनामर्थं वागनुवर्तते।
ख) लोकात्तराणां चेतासि को नु विज्ञातुमर्हति।

अथवा

iii) क) तीर्थोदकं च वह्नि"ाच नान्यतः शुद्धिमर्हतः
ख) न किंचिंदपि कुर्वाणः सौख्यैर्दुःखान्यपोहति।

प्रश्न–5 अधोलिखित में से किसी दो अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण लिखिए – 2

i. श्लेष, अनुप्रास, अति"ायोक्ति,

अथवा

ii. उपमा, उत्प्रेक्षा, विभावना,

अथवा

iii. विशेषोक्ति, दीपक व्यतिरेक

प्रश्न–6 अद्योलिखित में से किसी दो छन्द का लक्षण स्पष्ट कीजिए।। 2

i) अनुष्टुप, वशस्थ, इन्द्रवज्रा, स्नग्घरा, विखरणी।

अथवा

ii) आर्या, उपेन्द्रवज्रा, शार्टूलविक्रीडीत,

अथवा

iii) ि"खरिणी, मालिनी, स्नच्धरा

प्रश्न–7 i) नायक के भेद स्पष्ट करते हुए, उत्तररामचरित नाटक के नायक की कोटि स्पष्ट कीजिए।

अथवा

ii) उत्तररामचरित नाटक के तृतीय अंक का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

अथवा

iii) नाट्य"ाास्त्रीय दृष्टि से उत्तररामचरित नाटक की समीक्षा कीजिए।

प्र"न–8 निम्नलिखित श्लोक का संन्दर्भ सहित हिन्दी में अर्थ बताइए।

i) सम्बन्धिनो वि"ाष्ठादीनेष तातस्तवार्चति।
गौतम"च शतानन्दो जनकानां पुरोहितः ।।

अथवा

ii) सतांकेनापि कार्येण लोकस्याराधंनव्रतम्।
तत्प्रतीतं हि तातेन मांच प्राणांश्च मुञ्चता।।

अथवा

iii) वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि
लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हति।।

प्र"न–9 i) भवभूति की रचनाओं में भावपक्ष की प्रधानता है– संक्षिप्त प्रका"ा डालिए।

अथवा

ii) उत्तरेरामचरिते भवभूतिर्वि"ाष्यते – संक्षेप में प्रका"ा डालिए।

अथवा

iii) उत्तररामचरित के आधार पर राम अथवा सीता का चरित्र–चित्रण कीजिए।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2018-2019**

एकल विशय में स्नातक कला प्रमाण–पत्र

Undergraduate Arts Certificate in Single Subject

विषय – संस्कृत **विषय कोड : सी.एस.एस.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : CSSST**

कोर्स शीर्षक : बाणभट्टकृत कादम्बरी कथामुखम् –03 **कोर्स कोड : सी.एस.एस.एस.टी**

Course Title : (अगस्त्याश्रमवर्णन पर्यन्त) सिद्धान्त कौमुदी (कारक प्रकरण) **Course Code : CSSST-03**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्र"न । प्र"नों के अपने उत्तर 800 से 1000 भाब्दों में लिखें। सभी प्र"न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18

MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित गद्यांश का अनुवाद कीजिए– 6

i. यस्मिश्च राजनि जितजगति परिपालयति महीं चित्रकर्मसु वर्णसंकराः, रतेषु केशग्रहाः, काव्येषु दृढबन्धाः शास्त्रेषु चिन्ता, स्वप्नेषु विप्रलम्भाः, छत्रेषु कनकदण्डाः, ध्वजेषु प्रकम्पाः, गीतेषु रागविलसितानि, करिषु मदविकाराः, चापेषु गुणच्छेदाः, गवाक्षेषु जालमार्गाः, शशिकृपाण, –कवचेषु कलङ्काः, रतिकलहेषु दूतसम्प्रेषणानि सार्यक्षेषु शून्यगृहाः न प्रजानामासन्। यस्य च परलोकाद् भयमन्तःपुरिकालकेषु भङ्गः, नूपुरेषु मुखरता, विवाहेषु करग्रहणमनवरतमखाग्नि धूमेनाश्रूपातस्तुरङ्गेषु कशाभिघातः, मकरध्वजे चापध्वनिरभूत्।

अथवा

ii. आसीद"ोषनरपति"ारः समभ्यर्चित"ासनः पाक"ासन इवापरः, चतुरूदधिमाला मेललाया भुवो भर्ता, प्रतापानुरागावनतसमस्तसामन्तचक्रः, चक्रवर्तिलक्ष्मणोपेतः, चक्रधर इव करकमलोपलक्ष्यमाण"ाङ्खचक्रलाच्छनः, हर इव जितमन्मथः गुह्म इवाप्रतिहत"ाक्तिः, कमलयोनिरिव विमानीकृतराजहंसमण्डल, जलधिरिव लक्ष्मीप्रसूतिः गंगाप्रवाह इव भगीरथपथप्रवृत्तदानाद्रीकृतकरः, कर्ता महा"चर्याणाम, अहर्ता क्रतूनाम् आइद"ा उर्व"ास्त्राणाम् उत्पत्तिः कलानाम्, कुलभवनम् गुणानाम् आगमः काव्यामृतरसानाम्, उदय"ौलो मित्रमण्डस्य, उत्पातकेतुरहितजनस्य प्रवर्तयिता गोष्ठीबन्धानाम्, आश्रयो रसिकानाम्, प्रत्योद"ो धनुष्मताम्, धौरेयः साहसिकानाम् अग्रणीर्विदग्धानाम् वैनतेय इव विनतानन्दजननः वैन्य इव

चापकोटिसमुत्सारितारातिकुलाचलो राजा शूद्रको नाम।

अथवा

iii. 'देव, द्वारस्थिता सुरलोकमारोहतस्त्रि"ाक्ष.ोरिव कुपित"ातमखहुंकारनिपातिता राजलक्षमीर्दक्षिणापथादागता चाण्डालकन्यका पंजरस्थं शुकमादाय देवं विज्ञापयति 'सकलभ्वनतलरत्नानमुदधिरिवैकभाजनं देवः। विहंगम"ायमा"चर्यभूतो निखिलभुवनतलरत्नमिति कृत्वा देवपादमूलमादायागताहमिच्छामि देवद"ार्नसुखमनुभवितुम्' इति। एतदाकर्ण्य 'देवः प्रमाणम्' इत्युक्त्वा विरराम। उपजातकुतूहलस्तु राजा समीपवर्तिनां राज्ञामालोक्य मुखानि 'को दोषः प्रवे"यचताम्' इत्यादिदे"ा।

प्रश्न–2 निम्नलिखित उक्ति की व्याख्या कीजिए – 6

i. '' बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्'

अथवा

ii. बॉण के साहित्यिक वैभव का वर्णन कीजिए।

अथवा

iii. कादम्बरी एक कथा है, सिद्ध कीजिए।

प्रश्न–3 कादम्बरी कथामुखं के आधार पर अगस्त्याश्रम का वर्णन कीजिए।

अथवा

चाण्डाल कन्या का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

शूद्रक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 अधोलिखित में से तीन संज्ञाओं का विधान करने वाले सूत्र का उल्लेख कीजिए। 2

i. क) संहिता
ख) अनुनासिक

अथवा

ii. क) पद
ख) इत्

अथवा

iii. क) संयोग
ख) लोप

प्रश्न–5 अधोलिखित में से किन्हीं तीन सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 2

i. क) कर्तुरीप्सिततमं कर्म
ख) अकथितं च
ग) येनागविकारः

अथवा

ii. क) स्पृहेरीप्सितः
ख) अधि"ाीड्.स्थासां कर्म
ग) भीत्रार्थानां भयहेतुः

अथवा

iii. क) अनुर्लक्षणे
ख) अपवर्गे तृतीय
ग) रुच्सर्थानां प्रीयमाणः

प्रश्न–6 निम्नलिखित रेखांकित पदों में से दो का सूत्रोल्लेखपूर्वक विभक्ति का निर्देश कीजिए : 2

i. क) तण्डुलान् ओदेनं पचति।
ख) क्रोशं कुटिला नदी।

अथवा

ii. क) अक्ष्णा काणः
ख) पुण्येन दृष्टो हरिः।

अथवा

iii. क) मुक्तये हरिं भजति।
ख) हरये नमः।

प्रश्न–7 कादम्बरी कथामुखम् के रचयिता हैं – 2

i. क) बाणभट्ट ख) माघ ग) हर्ष घ) कालिदास

अथवा

नमः, स्वस्ति, स्वाहा, स्वधा, अलं तथा वषट् के योग में विभक्ति होती है – 2

ii. क) द्वितीया ख) चतुर्थी ग) सप्तमी घ) तृतीया

अथवा

iii. प्रश्न संख्या–1 के रेखांकित पदों में से किन्हीं दो का सविग्रह समास बताइए। 2

प्र"न–8 निम्नलिखित रेखांकित पदो के सूत्र निर्दे"ा पूर्वक विभक्ति बताइए।

i. क) कटे आस्ते ख) चर्मणि द्वीपिनं हन्ति ग) मातरि साधु

अथवा

ii. क) मातुः स्मरति ख) चोराद विभेति ग) पुष्पेभ्यः स्पृध्यति

अथवा

iii. क) विप्रायगां ददाति ख) अक्ष्णा काणः ग) क्रो"ां कुटिला नदी

प्र"न–9 i. कारक का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

ii. सम्बोधन के अर्थ में कौन सी विभक्ति लगती है?

अथवा

iii. सम्प्रदान संज्ञा का विधायक सूत्र कौन सा है?

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2018-2019**

एकल विशय में स्नातक कला प्रमाण–पत्र

Undergraduate Arts Certificate in Single Subject

विषय – संस्कृत **विषय कोड : सी.एस.एस.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : CSSST**

कोर्स शीर्षक : वेद चयनम् , कठोपनिषद् ,अनुवाद **कोर्स कोड : सी.एस.एस.एस.टी – 04**

Course Title : **Course Code : CSSST-04**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्र"न । प्र"नों के अपने उत्तर 800 से 1000 भाब्दों में लिखें। सभी प्र"न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18

MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित में से किन्हीं दो मंत्रों का अनुवाद कीजिए।

i. क) सहस्र"ाीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात्। 6
स भूमिं वि"वतो वृत्वात्यतिष्ठदृ"ाङ.गुलम।।

ख) स्वस्ति न इन्द्रो वृद्धश्रवाः स्वस्ति नः पूषा वि"ववेदा :
स्वस्ति नस्तार्क्ष्यो अरिष्टनेमि स्वस्ति नो बृहस्पतिर्दधातु।।

अथवा

ii. क) प्रतद्विषणुंः स्तवते वीयणे मृगो न भीमः कुचरो गिरिष्ठाः।
यस्योरूषुं त्रिषु विक्रमंणेधिक्षियन्ति भुवनानि वि"वा।

ख) आनो भद्राः क्रतवो यन्तु वि"वतोऽदब्धासो अपरीतास उदिभदः।
देवा नो यथा सदभिद्वृधे असन्नप्रायुवो रक्षितारो दिवेदिवे।।

अथवा

iii. क) यः शम्बरं पर्वतेषु क्षियन्तं चत्वारिं"यां शरद्यन्वन्दित्।
ओजायमानं यो अहि जद्यान दानुं शयानं स जनास इन्द्र : ।।

प्रश्न–2 निम्नलिखित में से किन्हीं एक मंत्र की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 6

i. शान्तसंकल्पः सुमना यथा स्याद्वीतमन्युगोतमो माभि मृत्यो

त्वप्रत्सृष्टं माभिवेदैत्प्रतीत एतत्त्रयाणां प्रथमं वरं वृणे।

अथवा

ii. स्वर्गे लोके न भयं किञ्चनारित
न तत्र त्वं जरया बिभेति।
उभे तीर्त्वाऽ"ानाया पिपासे
शोकातिगो मोदते स्वर्गलोके।।

अथवा

iii. न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यो
लप्स्यामहे वित्तमद्राक्ष्म चेत्त्वा।
जीविष्यामो यावदी"ाष्यसि त्वं
वरस्तु में वरणीयः स एव।।

प्रश्न–3 i. विष्णु सूक्त का सारांश अपने शब्दों में लिखें। 6

अथवा

ii. कठोपनिषद् के आधार पर रथरूपक कर वर्णन कीजिए।

अथवा

iii. वि"वेदेवा सूक्त का सारां"ा अपने शब्दों में लिखें।

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 किन्हीं चार पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखें – 2

i. शम्बरं, रजन्त्म्, तर्पणीयः, उरुगाय,

अथवा

ii. कविक्रतुः, इमसि, निवर्तमान, जीवसे

अथवा

iii. साम्पराये सुधस्यं अस्निधम्, स्वस्तये

प्रश्न–5 i. वेदांग किसे कहते हैं? वेदांगो पर संक्षिप्त प्रका"ा डालें। 2

अथवा

ii. वेद के विभागों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा

iii. संहिता ग्रन्थो पर प्रका"ा डालिए।

प्रश्न–6 i. कठोपनिषद् के महत्त्व पर संक्षेप में प्रकाश डालिए। 2

अथवा

ii. कठोपनिषद् का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

iii. कठोननिषद् के आधार पर आत्मा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–7 प्रतिशाख्यों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 2

अथवा

ii. ब्राह्मण ग्रन्थों का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

iii. निरुक्त को वेदपुरूष का कौन सा अंग कहा गया है।

प्रश्न–8 किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए। 4

i. क) प्रयाग के चारों ओर वन हैं।
ख) राम पिता के साथ गाँव जाता है।

ग) हमलोग रोज साथ में विद्यालय जाते है और गेंद खेलते हैं।
घ) आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है।

अथवा

ii. क) ब्राह्मण को प्रतिदिन दान देना चाहिए।
ख) हिमालय भारतवर्ष के उत्तर की ओर स्थित है।
ग) सड़क के किनारे वृक्षों से पत्ते गिर रहे हैं।
घ) हमें प्रतिदिन गुरुजनों को प्रणाम करना चाहिए।

अथवा

iii. क) पिता के साथ पुत्र घर को जाता है।
ख) नचिकेता के पिता ने ब्राह्मणों को बूढ़ी गाएँ दान में दीं।
ग) श्रेष्ठ जनों का प्रतिदिन अभिवान करना चाहिए।
घ) गाँव के चारों ओर आम के पेड़ हैं।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2018-2019**

एकल विशय में स्नातक कला प्रमाण–पत्र

Undergraduate Arts Certificate in Single Subject

विषय – संस्कृत **विषय कोड : सी.एस.एस.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : CSSST**

कोर्स शीर्षक : काव्य एवं काव्यशास्त्र **कोर्स कोड सी.एस.एस.एस.टो.–08**

Course Title : **Course Code : CSSST-08**

अधिकतम अंक : 30
MaximumMarks:30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्र"न । प्र"नों के अपने उत्तर 800 से 1000 भाब्दों में लिखें। सभी प्र"न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18

MaximumMarks:18

प्रश्न–1 i. आचार्य वि"वनाथ द्वारा उपस्थापित मम्मर के काव्य लक्षण में 'सगुणौ' पर की समीक्षा कीजिए।

अथवा

ii. आचाय विश्वनाथ द्वारा उपस्थापित मम्मट के काव्य लक्षण में आए 'अदोषौ' पद की समीक्षा कीजिए। 6

अथवा

iii. मम्मट के काव्य लक्षण की वि"वनाथ की दृष्टि से समीक्षा कीजिए।

प्रश्न–2 i. आचार्य विश्वनाथ के काव्य–प्रयोजन की समीक्षा कीजिए। 6

अथवा

ii. आचार्य वि"वनाथ के अनुसार लक्षणा शक्ति का विवेचना कीजिए। 6

अथवा

iii. साहित्यदर्पणकार के अनुसार आर्थीव्यंजना पर प्रका"ा डालिए। 6

प्रश्न–3 i. वि"वनाथ के काव्य– लक्षण का विवेचना कीजिए। 6

अथवा

ii. साहित्य दर्पण के आधार पर रस का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 6

अथवा

iii. संकेतो गृहयते जातौ गुणद्रव्यक्रियासु च ' की व्याख्या कीजिए। 6

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 i. निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे
जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः।
न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं
प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः ।।

अथवा

ii. निसर्गदुर्बोधमबोधविक्लवा।

क्व भूपतीनां चरितं क्व जन्तवः
तवानुभावोड़यमवेदि यन्मया।
निगूठतत्त्वं नयवर्त्म विद्विषाम्।।

अथवा

iii. विहाय शान्ति नृप धाम तत्पुनः
प्रसि0 सन्धेहि वधाय विद्विषाम्
व्रजन्ति शत्रूनवधूय निःस्पृहा
रामेन सिद्धिधं मुनयो न भूभृतः

प्रश्न–5 i. किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र–चित्रण कीजिए। 2

अथवा

ii. महाभारत की कथा से किरातार्जुनीयम् की कथावस्तु कहाँ–कहा परिवर्तित हुई है, विवेचन कीजिए। 2

अथवा

iii. ''भारवेरर्थगौरवम्'' की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न–6 i. 'उत्कर्षहेतवः प्रोक्ताः गुणालड.काररीतयः' की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 2

अथवा

ii. दोषास्तास्यापकर्षका : की व्याख्या कीजिए।

अथवा

iii. ''वाक्यं स्याद्योग्यताकाङ्क्षासत्तियुक्तः पदोच्चयः '' की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न–7 i. 'हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः'– इस सूक्ति की समीक्षा कीजिए। 2

अथवा

ii. 'वरं विरोघोऽपि समं महात्मभि'' सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

अथवा

iii. 'अहो ! दुरन्ता वलवद्विरोंधिता'', सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न–8 i. किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। 2

अथवा

ii. किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग में कौन सा छन्द प्रयुक्त हुआ है? क्षण एवं उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

iii. भारवि की काव्य शैली पर एक लेख लिखिये।

प्रश्न–9 i. किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के आधार पर गुप्तचर के गुणों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।2

अथवा

ii. वनेचर ने युधिष्ठिर से कुरूप्रदे"ा से लौटने के बाद क्या –क्या बताया, विस्तारपूर्वक प्रका"ा डालिये।

अथवा

iii. दुर्योधन के प्रति युधिष्ठिर के अन्दर क्रोध उत्पन्न करने के लिये द्रौपदी ने क्या–क्या कहा, सविस्तार प्रतिप्रादित कीजिए।